कोई भी चीज अपनेआप नही होती। इतने नियमबद्ध विश्व का निर्माण अपनेआप नही हो सकता। पिछले जीवन के कार्यों के अनुसार ही किसी को डीएनए, आरएनए, जीन्स आदि मिलते है। भगवान के अलावा अन्य कौन यह अकाउंटेंट की अवैतनिक नौकरी कौन कर सकता है? वह अपनी करुणा के कारण करता है। अन्यथा किसीको भी कुछ भी नहीं मिलेगा! कोई जन्म नहीं, कोई सुख नहीं, कुछ भी नहीं!

यदि आप इसे सही तरीके से देखते हैं, तो वही भगवान बच्चे के लिए मां के स्तन में दूध का प्रावधान करता है और सभी सब्जियों, अनाज, गेहूं, चावल, फलों का प्रावधान करता है ताकि जीव अपने शरीर को जरूरी तत्व दे सके। इस शरीर में रहकर ही तो कोई भगवान के लिए साधन करेगा।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132

वो ऐसा सखा है जो जीव का साथ एक पल के लिए भी नही छोडता। यदि छोड दे तो जीव की जीवन शक्ति समाप्त हो जाय। किसी भी योनी में जीव जाय, भगवान उसके साथ जाता है। जीव भगवान को छोड़कर हर किसी से प्यार करता है और इस बात के बावजूद भगवान जीव का हर पल साथ देता है, सहायता करता है कि जीव अपना अनंत आनंद का लक्ष्य हासिल करें। जीव तो भी भगवान की उपस्थिति तक स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है, फिर भी भगवान जीव का खयाल अनंत जन्म रखता आया है और आगे भी रखेगा।

भगवान की करुणा को सोचें, उसकी दयालुता को सोचें, उसका प्यार सोचें, आप की आँखों से आँसु छलक पडेंगे। आप उसे और अधिक याद करेंगे।